अमर उजाला
शुक्रवार | 25 दिसंबर 2015
V

एकेटीयू के दीक्षांत समारोह में पदक पाने वाले मेधावियों के नामों की घोषणा से खिले चेहरे

मेडल से बढ़ा उत्साह, सपने लेंगे आकार

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (एकेटीयू) की सूची वेबसाइट पर जारी होते ही मेधावियों के चेहरे खिल उठे। किसी को उम्मीद थी कि गोल्ड मेडल उसी का है तो किसी के लिए यह अप्रत्याशित था। अब सभी को इंतजार है 22 जनवरी का जब इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में दीक्षांत समारोह में उन्हें पदक से नवाजा जाएगा। मेडल पाने वाले मेधावियों का कहना है कि पदक ने उनका उत्साह बढ़ाया है और अब बारी है उनके सपनों के आकार लेने की। बता दें कि विवि द्वारा 47 मेडलों की घोषणा की गई थी, जिन पर 30 नवंबर तक आपत्ति मांगी गई थी। आपत्तियां आने के बाद उनका निस्तारण किया गया। आपत्तियां निस्तारण के बाद जी, के, एल, एन और ओ वर्ग की मेडल सूची में काफी बदलाव हुए हैं। शेष सूचियों में बदलाव नहीं किया गया।

रेग्युलर स्टडी व कठिन परिश्रम से गोल्ड मेडल मिला है। इसका मुझे पूरा विश्वास था। पापा का सपना था जो पूरा किया। पढ़ाई के दौरान और हर स्तर पर फैमिली का पूरा सपोर्ट मिला। इस वक्त मैं एनआईटी जालंधर से एमटेक कर रही हूं।

प्रियंका गुप्ता, गोल्ड मेडल बीटेक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कार्पेट टेक्नोलॉजी भदोही

क्लास रूम स्टडी के साथ खुद के नोट्स से पढ़ाई की। गोल्ड मेडल पाकर खुशी हो रही है। इसके लिए पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थी। लेकिन सिल्वर की पूरी उम्मीद थी। दिल्ली से गेट की तैयारी कर रही हूं। आईएएस बनने का सपना है।

साक्षी गंभीर, गोल्ड मेडल-बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इन्ट्रूमेंटेशन) अजय गर्ग कॉलेज- गाजियाबाद

सभी सेमेस्टर में मेरे नंबर अच्छे थे। इसलिए उम्मीद थी कि टॉप जरूर करूंगी। वेबसाइट पर सूची अपडेट हुई तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा। एमबीए के बाद मेरा लक्ष्य बैंकिंग फील्ड में जाना है। तैयारी चल रही है। मेरी सफलता में परिवार का अहम योगदान है।

प्रियंका अवस्थी- गोल्ड मेडल, एमबीए श्री राम स्वरूप मेमोरियल कॉलेज, लखनऊ

नंबर अच्छे आएंगे, इसकी पूरी उम्मीद थी लेकिन पूरे प्रदेश में टॉप करूंगी ये नहीं सोचा था। एमसीए में टॉप करने के बाद बहुत खुशी हो रही है। इसके बाद मैं पीएचडी करके इस फील्ड को कुछ नया देना चाहती हूं। अगला लक्ष्य पीएचडी में दाखिला है।

दीप्ति अरोड़ा- गोल्ड मेडल, एमसीए अजय गर्ग कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, हापुड़

जब भी मैं चंडीगढ़ को देखता हूं दिल में यह ख्याल आता है कि मैं भी इस तरह का एक शहर बनाऊं। इसलिए मैंने बीऑर्क कोर्स में दाखिला लिया। मेडल पाने पर खुशी हो रही है लेकिन असली खुशी तब होगी जब मैं एक सुंदर शहर बसाऊंगा।

मीत फतेवार, गोल्ड मेडल- बीऑर्क संदीप कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, गाजियाबाद

पूरे प्रदेश में फैशन टेक्नोलॉजी में मैं टॉप करूंगी ये नहीं सोचा था। बेहद खुशी हो रही है। पीजी की पढ़ाई पूरी करने के बाद प्रोफेशनल फील्ड में हाथ आजमाऊंगी। सफलता के लिए मैं अपने परिवार के साथ शिक्षकों को धन्यवाद देना चाहूंगी।

आकृति सिंघल- गोल्ड मेडल, बैचलर इन फैशन एंड एप्रेल डिजाइनिंग -विद्या इंस्टीट्यूट, मेरठ

इन टॉपर्स को मिलेंगे मेडल

पाठ्यक्रम	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज
सिविल इंजीनियरिंग	तहजीब जहरा	शुभि श्रीवास्तव	लिपि गौर
कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग	प्रतीक्षा वार्ष्णेय	पूर्वी गोयल	अशिका अग्निहोत्री
इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इं.	सोनम द्विवेदी	शमां परवीन	मेघा
इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंटेशन इं.	साक्षी गंभीर	कृतिका कपूर	रुपाली तिवारी
इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इं.	नकुल गर्ग	सुरभि अग्रवाल	कायनात जफर
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	साक्षी मिश्रा	कार्तिकेय द्विवेदी	अवलीन कौर
कारपेट एंड टेक्सस्साइट टेक्नोलॉजी	प्रियंका गुप्ता	रोचक राठौर	अमर दुबे
बायो टेक्नोलॉजी	श्वेता त्रिपाठी	रिचा त्रिपाठी	मृदुला शर्मा
बैचलर ऑफ फार्मेसी	शिवम	छाया शर्मा	गरिमा चौहान
बीएचएमसीटी	उजैर अशफाक	प्रतिभा	जूही सागर
एमबीए	प्रियंका अवस्थी	कृतिका अग्रवाल	नमिता
एमसीए	दीप्ति अरोरा	अंशिता जैन	अशी जैन
बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर	मीत फतेवर	रितु	सौम्या
बैचलर ऑफ फैशन एंड अप्रेन डिजाइन	आकृति सिंघल	शेफाली बंसल	प्रिया रॉय
इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी	प्रियांशी तिवारी	अपराजिता वर्मा	करुणा धनकानी
एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग	सुमित	धनंजय सिंह	----------

मुझसे ज्यादा मेरे साथियों, शिक्षकों और घरवालों को विश्वास था कि गोल्ड मेडल मिलेगा। अब मेरा उत्साह दोगुना हो गया है। बचपन से ही सॉफ्टवेयर डवलपर बनना चाहती थी। कोर्स पूरा होते ही मुझे नौकरी भी मिल गई है। इसका श्रेय मैं अपने शुभचिंतकों को दूंगी।

प्रियांशा तिवारी- गोल्ड मेडल, आईटी श्रीराम स्वरूप मेमोरियल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी

होटल बिजनेस से जुड़ना मेरा सपना था। इसके लिए पूरी मेहनत की थी। गोल्ड मेडल मिलने की जानकारी हुई, बहुत अच्छा लगा। अपनी सफलता के लिए मैं ईश्वर व घरवालों को श्रेय दूंगा। फिलहाल मैं एक होटल के साथ जुड़ा हुआ हूं।

उजैर अशफाक, गोल्ड मेडल, बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ होटल टूरिज्म, आगरा